UNIT-I

Major Subfields & Contemporary Relevance of Human Geography

- Nature of Human Geography
- Major Sub Fields
- Contemporary Relevance
- Summary
- Questions

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

Dr. Jagdish Chand
Assistant Professor (Geography)
Govt. College Sangrah

विगत कुछ वर्षों से मानव भूगोल का महत्त्व दिन - प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। वास्तव में फ्रांस के **पॉल विडाल.डी.ला. ब्ल ाश** तथा **जीन ब्रून्श** ने मानव भूगोल को अत्यधिक महत्त्व देकर उसे उच्च शिखर पर बिठाया है। प्राकृतिक दशाओं का अध्ययन केवल उनको जानने के लिए ही नहीं किया जाता, बल्कि किसी स्थान की प्राकृतिक दशाओं के आधार पर मानव भूगोल के तत्त्वों को आसानी से समझने के लिए भी किया जाता है। विभिन्न विद्वानों ने मानव भूगोल को अपने-अपने ढंग से परिभाषित किया है।

JAGDISHGPO@GMAIL.COM

उन्नीसवीं शताब्दी के अन्तिम चरण में मानव भूगोल एक स्वतन्त्र विषय के रूप में अस्तित्व में आया। **सन् 1882 में प्रसिद्ध जर्मन विद्वान फ्रेडरिक रेटजेल (Friedrich Ratzel)** जिन्हें वर्तमान मानव भूगोल का जनक कहा जाता है, ने अपनी पुस्तक 'एन्थ्रोपोज्योग्राफिक (Anthropogeographic) तीन खण्डों में प्रकाशित कर मानव भूगोल का शुभारम्भ किया। रेटजेल ने मानवीय भूदृश्यों को मानव भूगोल का विषय माना है। उनके अनुसार-

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

Important Definitions of Human Geography

मानव भूगोल की महत्त्वपूर्ण परिभाषाएँ

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

विडाल-डी-ला- ब्लॉश के अनुसार, **"मानव भूगोल को भौगोलिक विज्ञान की सम्माननीय शाखा का एक नवीन अंकुर माना है।"** उन्होंने आगे और स्पष्ट करते हुए बताया कि मानव भूगोल विकसित विचारों की अभिव्यंजना है जो खोज और भौगोलिक ज्ञान के फलस्वरूप विकसित हुई है।

हंटिंग्टन के अनुसार, **"मानव भूगोल भौगोलिक वातावरण और मानव के कार्यकलापों एवं गुणों के संबंध के स्वरूप और वितरण का अध्ययन है।"**

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

एलन सी. सेंपल के अनुसार, **"मानव भूगोल अस्थिर पृथ्वी और क्रियाशील मानव के बीच परिवर्तनशील संबंधों का अध्ययन है।"**

जीन ब्रून्श के अनुसार, **"मानव भूगोल उन सभी वस्तुओं का अध्ययन है जो मानव कार्यकलापों द्वारा प्रभावित है और जो हमारी पृथ्वी के धरातलीय पर्दार्थों की एक बिशेष श्रेणी में देखे जा सकते हैं।"**

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

अत: मानव भूगोल एक दर्शनशास्त्र के समान है। मनुष्य की विचारधारा और जीवन दर्शन पर किसी स्थान की भौगोलिक परिस्थितियों का गहरा प्रभाव पड़ता है। मानव भूगोल मनुष्य तथा उस पर वातावरण के प्रभाव का ही अध्ययन है।

Scope of Human Geography

मानव भूगोल का विषय क्षेत्र

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

मानव भूगोल का विषय क्षेत्र

मानव भूगोल का क्षेत्र बहुत ही विस्तृत तथा व्यापक है। इसमें मनुष्य की आर्थिक क्रियाओं के अतिरिक्त मनुष्य की और भी क्रियाएँ: **जैसे जनसंख्या और उसका वितरण, नगर व उनका आकार तथा प्रकार, मनुष्य की संस्कृति** आदि सम्मिलित हैं। वास्तव में आर्थिक भूगोल केवल विस्तृत मानव भूगोल का ही एक अंग है।

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

मानव क्रियाएँ जो भौगोलिक वातावरण के परिणामस्वरूप उत्पन्न होती हैं, अनेक प्रकार की हैं। इनमें से प्रमुख निम्नलिखित है

1. **जनसंख्या: वितरण एवं घनत्व**
2. **मकान: उनके प्रकार तथा बनावट**
3. **मानव अधिवास: ग्रामीण बस्तियाँ, नगरीय बस्तियाँ**
4. **मानवीय अर्थव्यवस्था: आखेट, पशुपालन, कृषि, खनन, उद्योग-धंधे, आवागमन के साधन**

JAGDISHEO@GMAIL.COM

- मानव भूगोल के अंतर्गत व्यक्तिगत दृष्टिकोण को सामाजिक दृष्टिकोण का रूप दिया जा रहा है।
- विभिन्न प्रकार के लोगों की संस्कृति को समझने के लिए मानव भूगोल का ही सहारा लिया जाता है।
- तकनीकी विकास के साथ मनुष्य और पर्यावरण के संबंधों में बदलाव आ रहा है। इसलिए मानव भूगोल की विषय-वस्तु में भी समय के साथ-साथ व्यापक विस्तार हो रहा है।
- आज मानव भूगोल के अंतर्गत नई समस्याओं और चुनौतियों का अध्ययन भी किया जाने लगा है।

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

Nature of Human Geography

मानव भूगोल की प्रकृति

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

मानव भूगोल की प्रकृति

मानव भूगोल -भूगोल शास्त्र की एक प्रमुख शाखा है, जिसमें मानव पक्ष को केंद्र मानकर आर्थिक एवं प्राकृतिक वातावरण का अध्ययन किया जाता है।

- मानव का प्राकृतिक वातावरण से घनिष्ठ संबंध होता है मानव एवं प्राकृतिक वातावरण की परस्पर क्रिया एवं प्रतिक्रियाओं के परिणाम स्वरूप संस्कृत पर्यावरण का निर्माण एवं विकास होता है अतः संस्कृतियों की व्याख्या करने पर मानव एवं प्राकृतिक वातावरण का परस्पर संबंध होता है।

- जो कि मानवीय क्रियाएं और प्राकृतिक वातावरण की दशा परिवर्तनशील है अतः इनका पारस्परिक संबंध भी परिवर्तनशील होता है अतः **मानव भूगोल** क्रियाशील मानव एवं प्रकृति के परिवर्तनशील संबंधों का अध्ययन है।

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

मानव भूगोल पृथ्वी की सतहों और मानव समुदायों के बीच सम्बंधों का संश्लेषित अध्ययन है। यह तीन संघटकों से निकटतम रूप में जुड़ा है:

- ✓ **मानवीय जनसंख्या का स्थानिक विश्लेषण**
- ✓ **मानवीय जनसंख्या और पर्यावरण के बीच के संबंधों का पारिस्थितिक भूगोल**
- ✓ **विश्लेषण और प्रादेशिक सश्लेषण, जो कि धरातल के क्षेत्रीय विभेदीकरण में पहली दोनों विषयवस्तुओं को जोड़ता है।**

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

Some Important Sub fields of Human Geography

मानव भूगोल के कुछ महत्वर्पूण उप क्षेत्र

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

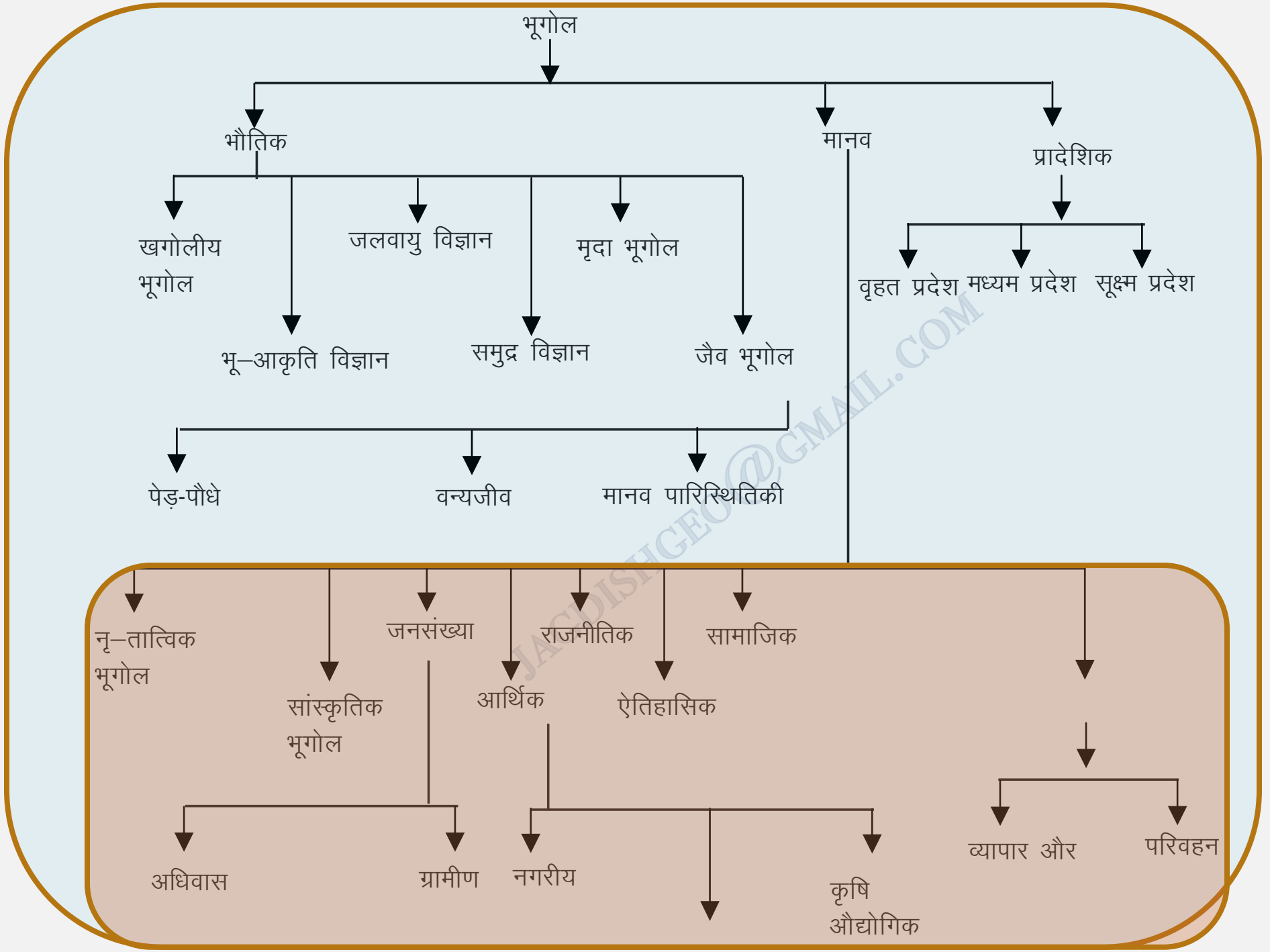

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

मानव भूगोल की कई उप-शाखायें है :

- **मानवविज्ञान भूगोल** : यह बड़े पैमाने पर स्थानिक सन्दर्भ में विविध प्रजातियों का अध्ययन करता है।
- **सांस्कृतिक भूगोल** : यह मानवीय संस्कृतियों की उत्पत्ति, संघटकों और प्रभावों की चर्चा करता है।
- **आर्थिक भूगोल** : यह स्थानीय, प्रादेशिक, राष्ट्र ीय और विश्व स्तर पर आर्थिक गतिविधियों की अवस्थिति व वितरण का अध्ययन करता है। आर्थिक भूगोल का अध्ययन निम्न बिन्दुओं के अन्तर्गत किया जा सकता है: संसाधन भूगोल, कृषि भूगोल, औद्योगिक व परिवहन भूगोल।
- **राजनीतिक भूगोल** : यह स्थानिक सन्दर्भ में राजनीतिक परिघटनाओं का अध्ययन करता है। इसका मुख्य उद्देश्य राजनीतिक व प्रशासनिक प्रदेशों के उद्भव व रूपान्तरण की व्याख्या करना है।

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

मानव भूगोल की उप-शाखायें

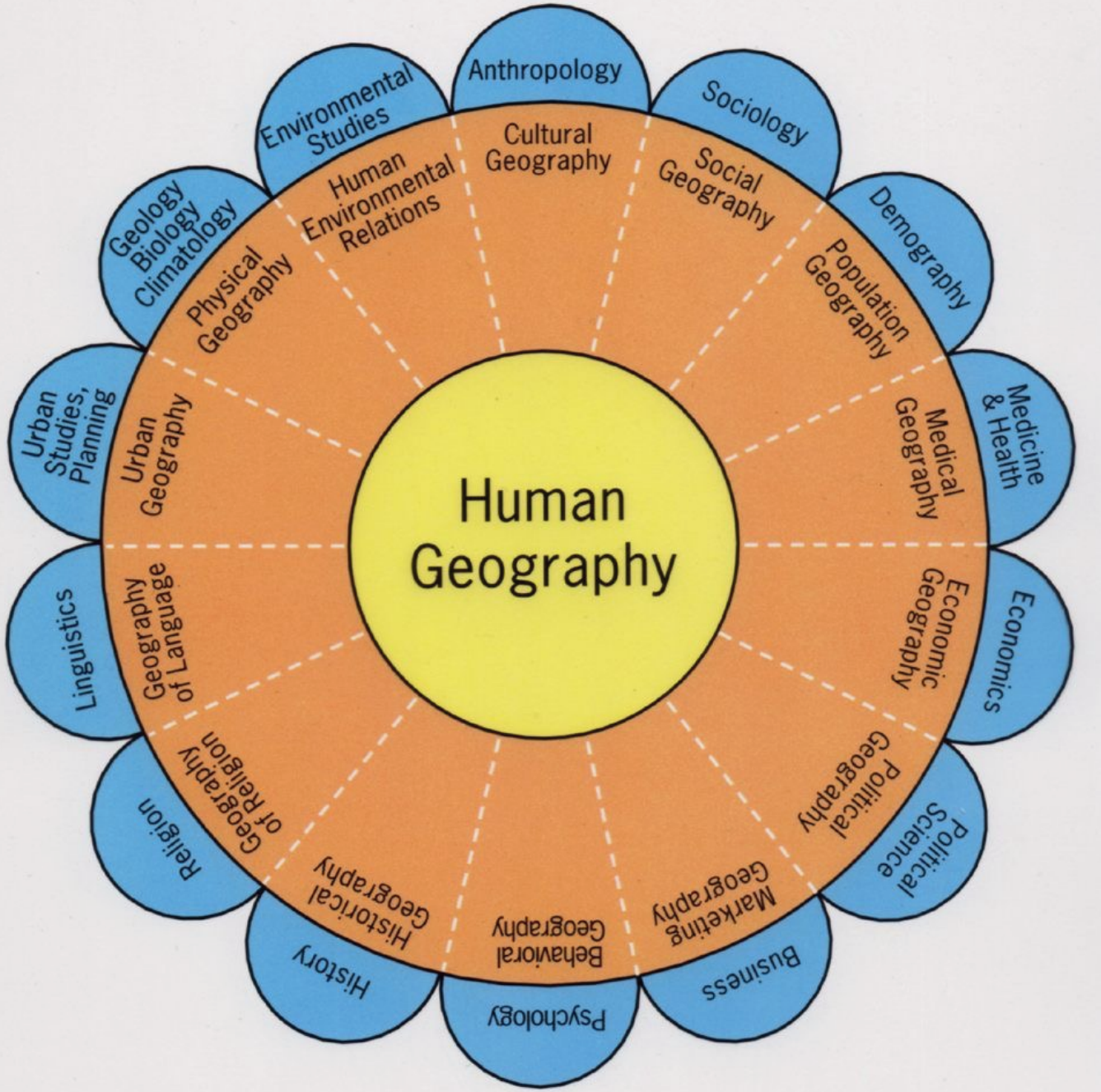

- **राजनीतिक भूगोल** : यह स्थानिक सन्दर्भ में राजनीतिक परिघटनाओं का अध्ययन करता है। इसका मुख्य उद्देश्य राजनीतिक व प्रशासनिक प्रदेशों के उद्भव व रूपान्तरण की व्याख्या करना है।
- **ऐतिहासिक भूगोल** : भौगोलिक परिघटनाओं का स्थानिक व कालिक अध्ययन ऐतिहासिक भूगोल के अन्तर्गत किया जाता है।
- **सामाजिक भूगोल** : यह स्थान की सामाजिक परिघटनाओं का विश्लेषण करता है। निर्धनता, स्वास्थ्य, शिक्षा, जीवनयापन सामाजिक भूगोल के कुछ मुख्य क्षेत्र हैं।
- **जनसंख्या भूगोल** : यह जनसंख्या के विविध पक्षों जैसे जनसंख्या वितरण, घनत्व, संघटन, प्रजनन क्षमता, मर्त्यता, प्रवास आदि का अध्ययन करता है।
- **अधिवास भूगोल** : यह ग्रामीण/नगरीय अधिवासों के आकार, वितरण, प्रकार्य, पदानुक्रम और अधिवास व्यवस्था से सम्बंधित अन्य आधारों का अध्ययन करता है।

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

Relevance of Human Geography

मानव भूगोल की प्रासंगिकता

JAGDISHGIS@GMAIL.COM

स्थानिक या स्थितिकी विश्लेषण (Spatial or Locational Analysis)

मानव भूगोल का प्रमुख कार्य पृथ्वी के धरातल पर मानव द्वारा जनित संघटकों का स्थानिक या स्थितिक विश्लेषण करना है। इस स्थानिक विश्लेषण का सम्बन्ध मानव द्वारा जानत सघटकों की संख्या, विशेषताओं, क्रियाओं एवं वितरण से है। इन सभी पक्षों को मानचित्र के द्वारा प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया जाता है। किसी विशेष स्थानिक प्रारूप को प्रभावित करने वाले कारकों की भी व्याख्या की जाती है। (The spatial / locational analysis of man made phenomena on the earth surface is in terms of numbers, characteristics, activities and distributions performed and expressed their spatial patterns effectively through maps.)

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

पर्यावरणीय विश्लेषण (Ecological Analysis)

इस कार्यक्रम में मानव भूगोल के अध्ययनर्कताओं का प्रमुख उद्देश्य भौगोलिक क्षेत्र के अन्तर्गत मानवीय-वातावरण सम्बन्धों के ऊपर संकेन्द्रित होता है। (Ecological analysis focusses on studying human-environment linkages (vertical bonds) witin a geographical region.)

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

क्षेत्रीय संश्लेषण (Regional Synthesis)

इस प्रकार के कार्यक्रम में स्थानिक एवं पर्यावरणीय उपागमों का समाग्र रूप संश्लेषण के द्वारा प्रदर्शित किया जाता है। इसमें भौगोलिक क्षेत्र के भीतर विभिन्न क्षेत्रों की पहचान की जाती है। (Regional synthesis integrates spatial and ecological analysis into regional analysis.) क्षेत्रीय संश्लेषण का प्रमुख उद्देश्य आन्तरिक बनावट, पर्यावरणीय अन्तर्सम्बन्धों तथा बाहरी सम्बन्धों को समझना होता है। (Infact the aim of ecological analysis is to understand internal morphology, ecological linkages and external relations.)

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

सारांश (Summary)

- भूगोल विज्ञान की वह शाखा है जिसमें स्थानिक सम्बन्धों तथा स्थानिक संगठनों का विस्तृत अध्ययन किया जाता है।
- स्थानिक सम्बन्धों की अवधारणा,मानव स्थल सम्बन्धों की अवधारणा, मानव-मानव सम्बन्धों की अवधारणा तथा वातावरण एकता सम्बन्धी धारणा भूगोल के स्थानिक संगठनों के विश्लेषण में विशेष स्थान रखना आदि सभी क्रियाएं वैज्ञानिक विधियों के अभिन्न अंग हैं।
- भूगोल के अध्ययन में भौतिक तथा सांस्कृतिक वातावरण के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण किया जाता है।
- मानव भूगोल के अध्ययन में मानव तथा वातावरण के अन्तर्सम्बन्धों तथा क्रियाओं का विश्लेषण किया जाता है। मानवीय क्रियाओं पर वातावरण का प्रभाव तथा वातावरण समायोजन का अध्ययन मानव भूगोल का प्रमुख भाग है।
- मानव भूगोल में जनसंख्या सम्बन्धी विभिन्न तथ्यों की पुष्टि की जाती है तथा उनका प्रजातिया वर्गीकरण, भाषाएं, संस्कृति, धर्म, रीति-रिवाज़ों, मानव द्वारा निर्मेत बस्तियों तथा मानव स्थानांतरण आदि के अध्ययन में महत्त्वर्पूण स्थान रखता है जो मानव भूगोल के अध्ययन के प्रमुख संघटक हैं।

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

प्रश्न (Questions)

1. Define Human Geography.
   मानव भूगोल को परिभाषित करें
2. What is the meaning of Human Geography is Human Ecology ?
   मानव भूगोल मानव परिस्थितिकी है का क्या अर्थ है ?
3. What are the aims of Human Geography ?
   मानव भूगोल का उद्देश्य क्या है?
4. Differentiate between Physical and Cultural Environment.
   भौतिक एवं सांस्कृतिक वातावरण में अंतर स्पष्ट करें
5. What do you mean by Locational Analysis ?
   स्थानिक या स्थितिकी विश्लेषण से क्या अभिप्राय है?
6. What do you mean by Radicalism in Geography?
   भूगोल में मौलिकवाद से क्या अभिप्राय है ?
7. What is Relevance of Behavioural Approach in Human Geography ?
   मानव भूगोल में आचरण उपागम का क्या औचित्य है ?

JAIDISHGEO@GMAIL.COM